National Journal of Multidisciplinary Research and Development
www.newresearchjournal.com
ISSN: 2455-9040
Received: 15-12-2025, Accepted: 14-01-2026, Published: 29-01-2026
Volume 11, Issue 1, 2026, Page No. 45-47

बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

मनोज कुमार[1], अरुण कुमार कुलश्रेष्ठ[2]

[1] शोधार्थी, डिपार्टमेंट ऑफ पेडागॉजिकल साइंसेज, शिक्षा-संकाय, दयालबाग एजूकेशनल इस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दयालबाग, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत

[2] प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ पेडागॉजिकल साइंसेज, शिक्षा-संकाय दयालबाग एजूकेशनल इस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दयालबाग, आगरा, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी.एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध अध्ययन के उद्देश्य, विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना एवं विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी.एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। शोध अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के लिए न्यादर्श के रूप में आगरा जिले के एक राज्य विश्वविद्यालय (डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय) व एक डीम्ड विश्वविद्यालय (दयालबाग एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट) की शिक्षा संकाय के 100–100 बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षणार्थिओं का चयन किया गया है। प्रदत्त संकलन के लिए अनुकूल हायड, संजोत पेठे, उपिन्दर धर (2018) द्वारा निर्मित इमोशनल इंटेलिजेंस स्केल (संवेगात्मक बुद्धि मापनी) का प्रयोग किया गया है। चयनित शिक्षक प्रशिक्षणार्थिओं पर उपरोक्त उपकरण का प्रशासन करके, उनके प्राप्तांकों को ज्ञात करके, उसके आधार पर परिकल्पना के सत्यापन के लिए टी मूल्य ज्ञात किया गया। शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार अध्ययन में विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर राज्य विश्वविद्यालय के बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर उच्च पाया गया। विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी.एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

मूल शब्दः बी. एड, शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों, संवेगात्मक बुद्धि, राज्य विश्वविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय

प्रस्तावना

आधुनिक शिक्षा प्रणाली में संवेगात्मक बुद्धि एक मौलिक आवश्यकता बन गई है। व्यक्ति के मानसिक विकास में संवेगों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। सुखद संवेगात्मक स्थिति होने पर मानसिक स्वास्थ्य में भी वृद्धि होती है। साथ ही उसको सभी मानसिक शक्तियाँ एवं क्षमताएँ अधिक सक्रियता से कार्य करने में सहयोग करती हैं अर्थात् मानसिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक संवेगात्मक बुद्धि का होना आवश्यक है। किसी व्यक्ति की संवेगात्मक बुद्धि से आशय उसकी उस समग्र क्षमता से है जो उसे उसकी विचार–प्रक्रिया का उपयोग करते हुए अपने तथा दूसरों के संवेगों को जानने, समझने तथा उनका सर्वोत्तम प्रबन्धन करने में उसकी सहायता करती है। किस व्यक्ति में कितनी संवेगात्मक बुद्धि है उसके इस स्तर की माप के लिए जिस इकाई का प्रयोग किया जाता हैं उसे संवेगात्मक लब्धि (Emotinal Quotient or EQ) कहा जाता है। यह उसी प्रकार का पैमाना है जैसा बुद्धि–लब्धि (Intelligent Quotient or IQ) के रूप में सामान्य बुद्धि स्तर की माप के लिए प्रयोग में लाया जाता है। मेयर एवं सेलोवे (1997). ने संवेगात्मक बुद्धि को परिभाषित करते हुए कहा है कि ''संवेगात्मक बुद्धि को एक ऐसी क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिससे चार विभिन्न रूपों में संवेगों को उचित दिशा देने में मदद मिले जैसे संवेग विशेष का प्रत्यक्षीकरण करना, उसका अपनी विचार प्रक्रिया में समन्वय करना, उसे समझना तथा उसका प्रबन्धन करना।'' बार–ऑन (1997). ने संवेगात्मक बुद्धि को परिभाषित करते हुए कहा है कि ''संवेगात्मक बुद्धि द्वारा वह क्षमता परिवर्तित होती है जिसके माध्यम से दिन प्रतिदिन के पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ निपटा जाता है और जो व्यक्ति की जिन्दगी में जिसमें पेशेवर तथा व्यक्तिगत धन्धा भी सम्मिलित हैं सफलता प्राप्त करने में मदद करता है।'' अतः उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि संवेगात्मक बुद्धि एक जन्मजात तथा सार्वभौमिक योग्यता है जो कि व्यक्ति के प्रत्येक क्रियाकलापों को प्रभावित करती है। संवेगात्मक बुद्धि में व्यक्तिगत भिन्नता पाई जाती है। संवेगात्मक बुद्धि का सम्बन्ध न केवल अपने संवेगों को समझने से है एवं दूसरे के संवेगों को ठीक रूप से समझने से भी है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

आधुनिक शिक्षा प्रक्रिया की सफलता शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि पर निर्भर करती है। सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा इस बात पर प्रकाश डालती है कि विभिन्न संदर्भों में शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित करती हैं।

संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धित साहित्यावलोकन प्रक्रिया में बोरसे, चन्द्रकान्त (2012). ने बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्म प्रत्यय में सार्थक सम्बन्ध पाया गया। पुष्पा, एम. एण्ड यशोधरा, के. (2014). ने बी. एड. विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्म प्रत्यय में सार्थक धनात्मक सम्बन्ध पाया गया। सिंह, बी. वी. (2014). ने लिंग एवं आयु के आधार पर निजी स्कूल शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि, आत्म प्रत्यय एवं शिक्षण क्षमता का स्तर अधिक पाया गया, सरकारी शिक्षकों की तुलना में। लाभाने, सी. पी. एण्ड बविस्कर, पी. ए. (2015). ने कला एवं विज्ञान कॉलेज विद्यार्थियों के आत्म प्रत्यय में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया एवं कला एवं विज्ञान कॉलेज विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया गया। मित्तल, कविता एण्ड चौधरी, शशि (2017). ने उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का विद्यालय प्रकृति के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया। के, रानी (2018). ने उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर पाया गया, विद्यार्थियों के आत्म प्रत्यय में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। शर्मा, प्रीति एण्ड कुलश्रेष्ठ,

ए. के. (2019). ने अपराधीयों की संवेगात्मक बुद्धि एवं सामाजिक अनुरूपता में सार्थक सम्बन्ध है, अपराधीयों की सामाजिक अनुरूपता पर संवेगात्मक बुद्धि का धनात्मक प्रभाव होता है। हेरेरा, लुका एट अल. (2020). ने लिंग के आधार पर प्राथमिक स्तर के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, आत्म–प्रत्यय, व्यक्तित्व व संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है सांस्कृतिक समूह के आधार पर प्राथमिक स्तर के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, आत्म–प्रत्यय, व्यक्तित्व व संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है प्राथमिक स्तर के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, आत्म–प्रत्यय, व्यक्तित्व व संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक सहसम्बन्ध है। दयाल, सिद्धू एण्ड अग्रवाल, मोनिका (2021). ने लिंग के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की प्रभावशीलता के विभिन्न आयामों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, लिंग के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के व्यक्तित्व व संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न आयामों में सार्थक अन्तर पाया गया। अल्पियन, यायान एट अल. (2023). ने आत्म प्रत्यय, संवेगात्मक बुद्धि एवं डिजिटल साहित्य में सार्थक सम्बन्ध पाया गया। डिजिटल साहित्य को सुधारने में आत्म प्रत्यय एवं संवेगात्मक बुद्धि की अहम भूमिका होती है। फैनो, एस्ट्रिड एस. एण्ड बंटुलो, जॉनी एस. (2024). ने शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि, आत्म प्रत्यय एवं शिक्षण प्रदर्शन के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध होता है। अग्रवाल, सुरभि (2024). ने लिंग के आधार पर बी.एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्म प्रत्यय में सार्थक अन्तर पाया गया। हेमन्ना, जी. के. एण्ड मोउनिका, गदामचेट्टी (2024). ने लिंग एवं आयु के आधार पर डी. एड. विद्यार्थियों के आत्म प्रत्यय एवं संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। किरियाजोपोलू, मायर्टो एट अल. (2025). ने शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्म प्रभावकारिता में जटिल व सार्थक सम्बन्ध पाया गया, संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्म प्रभावकारिता शिक्षक शिक्षा को प्रभावित करते है। कुमार, मनोज एण्ड कुलश्रेष्ठ, अरुण कुमार (2025). ने विद्यार्थियों की शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में संवेगात्मक बुद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थियों की शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करती है।

उपरोक्त शोध अध्ययनों के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धित अध्ययनों के परिणामों में काफी भिन्नता है इसी तथ्य के आलोकन में शोधकर्ता ने प्रस्तुत विषय को अध्ययन के लिए चुना।

अध्ययन के उद्देश्य: शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं

1. विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना

1. विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।

अध्ययन का परिसीमन: प्रस्तुत शोध अध्ययन आगरा जिले के एक राज्य विश्वविद्यालय एवं एक डीम्ड विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय के बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया

अध्ययन विधि: प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का अनुसरण किया गया।

न्यादर्श: प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में आगरा जिले के एक राज्य विश्वविद्यालय एवं एक डीम्ड विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय के कुल 200 बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि द्वारा किया गया। राज्य विश्वविद्यालय (डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय) एवं डीम्ड विश्वविद्यालय (दयालबाग एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट) की शिक्षा संकाय से न्यादर्श के रूप में 100–100 बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया।

अध्ययन उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आँकड़ों के संकलन हेतु निम्नलिखित उपकरण का प्रयोग किया गया है

1. श्री अनुकूल हायड, श्री संजोत पेठे, श्री उपिन्दर धर (2018) द्वारा इमोशनल इंटेलिजेंस स्केल (संवेगात्मक बुद्धि मापनी), आगरा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित।

सांख्यिकी प्रविधियाँ

प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अन्तर की सार्थकता (टी मान) की गणना की गयी।

विवेचना एवं विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में प्राप्त सभी परिणामों को शोधार्थी द्वारा उद्देश्यों के पूर्व निर्धारण के क्रम में ही विवेचना एवं विश्लेषण प्रदान किया गया।

तालिका 1: विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर बी. एड शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
राज्य विश्वविद्यालय	100	138.81	15.20
डीम्ड विश्वविद्यालय	100	136.75	14.06

राज्य विश्वविद्यालय एवं डीम्ड विश्वविद्यालय के बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के मध्यमान क्रमशः 138.81 तथा 136.75 मानक विचलन 15.20 तथा 14.06 थे विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर उच्च पाया गया। अतः डीम्ड विश्वविद्यालय की तुलना में राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर उच्च पाया गया।

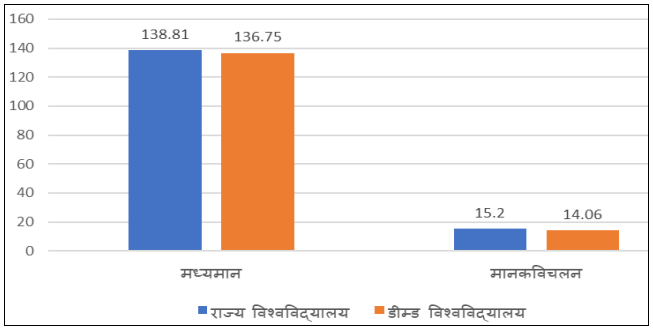

आरेख 1: बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के प्रदत्तों का मध्यमान एवं मानक विचलन

तालिका 2: विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी मान
राज्य विश्वविद्यालय	100	138.81	15.20	0.32
डीम्ड विश्वविद्यालय	100	136.75	14.06	

राज्य विश्वविद्यालय एवं डीम्ड विश्वविद्यालय के बी.एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि के मध्यमान क्रमशः 138.81 तथा 136.75 मानक विचलन 15.20 तथा 14.06 व टी मान 0.32 पाया गया जो 0.05 विश्वास स्तर पर सारणी मान से कम है अर्थात् सार्थक अन्तर नहीं है। अतः परिकल्पना 01 विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा, स्वीकृत हुई।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में संकलित आँकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं–

1. विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर उच्च पाया गया।
2. विश्वविद्यालय स्तर के आधार पर शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सुझाव

शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत हैं–

1. संवेगात्मक बुद्धि का सम्बन्ध बुद्धि लब्धि से होता है। शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि को विकसित किया जाए।
2. संवेगात्मक बुद्धि द्वारा सामाजिक गुण विकसित होते हैं। शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि को विकसित किए जाने से समरसता, सहयोग, मित्रता जैसे गुण विकसित होंगे।
3. निष्कर्षों के दूरगामी निहितार्थ हैं जो नीति निर्माताओं का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। इस अध्ययन के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के लिए भविष्य की नीतिगत सुझावों पर प्रभाव पड़ सकता है। बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को अतिरिक्त कौशल प्रदान करने के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में संवेगात्मक बुद्धि के नवीन कार्यक्रमों को शामिल किया जा सकता है। यही बी. एड. शिक्षक–प्रशिक्षणार्थी देश के भावी शिक्षक हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कुमार, मनोज एण्ड कुलश्रेष्ठ, अरुण कुमार (2025). शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के सन्दर्भ में संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन. शोध ऋतु, 40(5), 2454–6283. https://doie.org/10.10687/shodhritu.2025415640
2. किरियाजोपोलू, मायर्टो एट अल. (2025). टीचर एजूकेशन स्टूडेंट्स इमोशनल इंटेलिजेंस एण्ड टीचर सेल्फ–एफिकसी : ए क्रॉस कल्चरल कंपैरिजन. स्पिंजर करंट साइकोलॉजी, 44, 1206–1218. https://doi.org/10.1007/s12144-024-06999-y
3. हेमन्ना, जी. के. एण्ड मोउनिका, गदामचेट्टी (2024). टू स्टडी दी सेल्फ–कांसेप्ट एण्ड इमोशनल इंटेलिजेंस ऑफ डी.एड. स्टूडेंट्स. इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन्स एण्ड रिव्यू, 5(1), 2582–7421. https://www.ijrpr.com
4. अग्रवाल, सुरभि (2024). ए स्टडी ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस एण्ड सेल्फ–कांसेप्ट ऑफ बी. एड. प्यूपल टीचर्स. जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीर्स एण्ड इन्नोवेटिव रिसर्च, 11(2), 2349–5162. https://www.jetir.org
5. फैनो, एस्ट्रिड एस. एण्ड बंटुलो, जॉनी एस. (2024). सेल्फ–कांसेप्ट एण्ड टीचिंग परफॉर्मेंस एज प्रिडिक्टर्स ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस. साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशनलः ए मल्टीडिसीप्लिनरी जर्नल, 25(1), 2822–4353. https://doi:10.5281/zenodo.13742399
6. अल्पियन, यायान एट अल. (2023). सेल्फ–कांसेप्ट एण्ड इमोशनल इंटेलिजेंस इन रिलेशन विद डिजिटल लिटरेसी. जर्नल ऑफ नॉनफोरमल एजुकेशन, 9(1), 2528–4541. https://journal.unnes.ac.id/nju/index.php/jne
7. दयाल, सिद्धू एण्ड अग्रवाल, मोनिका (2021). डायमेंशंर्स ऑफ टीचर इफेक्टिवनेस, पर्सनैलिटी एण्ड इमोशनल इंटेलिजेंस आमोगर्स्ट मेल एण्ड फीमेल सेकेन्डरी स्कूल एजुकेटरर्स. दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट–फैकल्टी ऑफ एजुकेशन रिसर्च एब्स्ट्रेक्ट एण्ड आर्टिकल ए रिसर्च जर्नल इन एजुकेशन (एफओईआरएए), एनुअल इश्यू 2021. https://www.dei.ac.in
8. हेरेरा, लुका एट अल. (2020). एकेडमिक अचीवमेंट, सेल्फ–कांसेप्ट, पर्सनैलिटी एण्ड इमोशनल इंटेलिजेंस इन प्राइमरी एजूकेशन. एनालिसिस वय जेंडर एण्ड कल्चरल ग्रुप. फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 10(1), 3075. https://doi: 10.3389/fpsyg.2019.03075
9. शर्मा, प्रीति एण्ड कुलश्रेष्ठ, ए. के. (2019). ए स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस ऑन सोशल कंफोरमीटि ऑफ डेलिंक्वेंटर्स. रिमार्किंग एन एनालाइजेशन, 3(12), 2394–0344. https://www.socialresearchfoundation.com/upoadreserchpapers/5/300/2003241123171st:20preeti:20sharma.pdf
10. के, रानी (2018). ए स्टडी ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस एण्ड सेल्फ–कांसेप्ट ऑफ हायर सेकेन्डरी स्टूडेंट्स. डेलाइब्रेटिव रिसर्च, 37(1), 124–128. https://www.search.proquest.com
11. मित्तल, कविता एण्ड चौधरी, शशि (2017). उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन. इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट, 2(5), 2455–4030. http://www.advancedjournal.com
12. लाभाने, सी. पी. एण्ड बविस्कर, पी. ए. (2015). सेल्फ–कांसेप्ट एण्ड इमोशनल इंटेलिजेंसः ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ आर्ट एण्ड साइंस कॉलेज स्टूडेंट्स. दी इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 2(2), 2348–5396. http://www.ijip.in
13. सिंह, बी. वी. (2014). ए स्टडी ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस, सेल्फ–कांसेप्ट एण्ड टीचिंग कॉमपिटन्स ऑफ सेकेन्डरी स्कूल टीचर्स. स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमैनिटी साइंस एण्ड इंग्लिश लैंग्वेज, 1(6), 2348–3083. https://www.srjis.com
14. पुष्पा, एम. एण्ड यशोधरा, के. (2014). इमोशनल इंटेलिजेंस एण्ड सेल्फ–कांसेप्ट ऑफ बी. एड. स्टूडेंट्स. इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशन एण्ड साइकोलॉजीकल रिसर्च (आईजेईपीआर), 3(2), 23–29.
15. बोरसे, चन्द्रकान्त (2012). स्टडी ऑफ रिलेशनशिप विटवीन इमोशनल इंटेलिजेंस एण्ड सेल्फ–कांसेप्ट ऑफ बी. एड. टीचर ट्रेनीर्स. इलेक्ट्रॉनिक इण्टरनेशनल इण्टरडिसीप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 1(3), 2277–2456. https://www.aarhat.com
16. मंगल, एस. के. (2022). शिक्षा मनोविज्ञान, पी.एच.आई. लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड पब्लिकेशन्स, दिल्ली
17. गुप्ता, एस. पी. (2019). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद
18. कौल, लोकेश (2012). शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली, द्वितीय पुनर्मुद्रण, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., दिल्ली